भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
पश्चिम रिजनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति --- 8 सितंबर 2012

सामाजिक, मानव अधिकार कार्यकर्ताओं व जनवादी बुद्धिजीवियों में महाराष्ट्र पुलिस आतंक फैलाना बंद करो! जनवादी अधिकार कार्यकर्ता प्रशांत राही की गिरफतारी की निंदा करो!

पहले टाटा सामाजिक शोध संस्थान के जनपक्षीय शोध छात्र महेश राउत मुंबई विश्वविद्यालय की छात्रा हर्षाली पोतदार, उसके बाद अहेरी से जेएनयू दिल्ली के शोधछात्र व सामाजिक कार्यकर्ता हेम मिश्रा और अब प्रशांत राही को गडचिरोली पुलिस गिरफतार करके बुद्धिजीवियों में दहशत फैला रही है। हमारी पार्टी गडचिरोली पुलिस द्वारा की जा रही जनवादी बुद्धिजीवियों की गिरफतारियों व जनवादी अधिकारों के हनन की कड़ी निंदा करती है।

सुरजागढ़, दमकोड़ी व कोरची आदि में दलाल पूंजीपति जिंदल व लायड मेटल आदि खदान खोलकर जनता को उजाड़ने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। उनके लिए रास्ता साफ करने के लिए गडचिरोली पुलिस प्रशासन, क्रूर–60 कमांडो और केंद्रीय अर्ध सैनिक बल क्रूर दमन अभियान चला रहे हैं। जनवरी में अहेरी के गोविंदगांव से लेकर बटपार, सिंदेसुर, मेढरी तक पुलिस ने झूठी मुठभेड़ रचकर, कई जननेताओं, जन योद्धाओं, महिला योद्धाओं व नेत्रियों का कत्ल किया है। खदानों के खिलाफ काम करने वाले दो कार्यकर्ताओं को दमकोड़ी व एक को सुरजागढ खदान क्षेत्र से गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस प्रशासन व एसपी सुवेज हक अब इस बात से डरे हुए हैं कि कहीं इन फर्जी मुठभेड़ों व गिरफ्तारियों की असलियत देश की जनता के सामने न आ जाए और वह इनामों व प्रमोशन से वंचित न हो जाएं।

इसलिए गडचिरोली पुलिस प्रशासन को गडचिरोली में किसी भी सामाजिक, जनवादी कार्यकर्ता, बुद्धिजीवि को देखते ही नक्सल समर्थक का फोबिया लग जाता है। अब जब देश के जनवाद पंसद बुद्धिजीवि और कार्यकर्ता गडचिरोली पुलिस द्वारा किये जा रहे मानव अधिकारों के हनन का विरोध करने व उनकी जांच करने के लिए आ रहे हैं तो वह और भी भयभीत हो गयी है। 20 से 26 अगस्त के बीच कई जनवादी संगठनों ने मेढरी, बटपार, भगवानपुर, सिंदेसुर आदि मुठभेड़ों की जांच की, पुलिस द्वारा की जा रही फर्जी गिरफ्तारियों का विरोध किया। उसी दौरान हेम मिश्रा और प्रशांत राही को भी गिरफतार किया गया। ये दोनों दिल्ली में कमेटी फॉर रीलिज पोलिटकल प्रीजनर्स – सीआरपीपी के कार्यकर्ता व स्वतंत्र पत्रकार हैं। यही नहीं मेढरी में मानव अधिकार कार्यकर्ताओं के दौरे के बाद मेढ़री गांव में आकर कई चश्मदीद गवाहों को बेदम पीटाई की गयी, उनको जान से मारने की धमकी दी गयी। पुलिस आकर सबूत मिटाने की कोशिश कर रही है।

इस तरह सामाजिक जनवादी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर नक्सल समर्थक घोषित कर जेल में डालने का सीधा मकसद है कि फर्जी मुठभेड़ों की जांच करने, जनता को विस्थापित व जंगल को बर्बाद करने वाली खदान परियोजनाओं का विरोध करने कोई गडचिरोली जिला में घुसने की जुर्रत न करे। हेम मिश्रा और अब प्रशांत राही को पकड़कर एसपी सुवेज हक ने तमाम बुद्धिजीवियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं को धमकी व चेतावनी दोनों दी है।

हम तमाम बुद्धिजीवियों, जनवादी, मनावधकिार कार्यकर्ताओं, संगठनों से अपील करते हैं कि इन गिरफतारियों की निंदा करें। हेम मिश्रा व प्रशांत राही को तुरंत बिना शर्त रिहा करवाने के लिए संघर्ष करें। गडचिरोली पुलिस द्वारा किये जा रहे मानव अधिकारों के हनन का विरोध करें।

Økfrdkjh vfHkoknu d¹ lkFk
iioDrk

Jhfuokl
if'pe fjtuy deVh & xMfpjksyh